SAMPLE QUESTION PAPER - 2

Hindi A (002)

Class X (2024-25)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- - इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- - इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- - खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- - खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- - खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
- - खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- - प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** [7]

अनुशासन के अभाव में समाज में अराजकता और अशांति का साम्राज्य होता है। वन्य पशुओं में अनुशासन का कोई महत्त्व नहीं है, इसी कारण उनका जीवन असुरक्षित, आतंकित एवं अव्यवस्थित रहता है। सभ्यता और संस्कृति के विकास के साथ-साथ जीवन में अनुशासन का महत्त्व भी बढ़ता गया। आज के वैज्ञानिक युग में तो अनुशासन के बिना मनुष्य का कार्य भी नहीं चल सकता। कुछ व्यक्ति सोचते हैं कि अब मानव, सभ्य और शिक्षित हो गया है, उस पर किसी भी प्रकार के नियमों का बंधन नहीं होना चाहिए। वह स्वतंत्र रूप से जो भी करे, उसे करने देना चाहिए, लेकिन यदि व्यक्ति को यह अधिकार दे दिया जाए तो वन्य जीवन जैसी अव्यवस्था आ जाएगी। मानव, मानव ही है, देवता नहीं। उसमें सुप्रवृत्तियाँ और कुप्रवृत्तियाँ दोनों ही होती हैं। मानव सभ्य तभी तक रहता है जब तक वह अपनी सुप्रवृत्तियों की आज्ञा के अनुसार कार्य करे। इसलिए मानव के पूर्ण विकास के लिए कुछ बंधनों और नियमों का होना आवश्यक है।

1. मानव कब सभ्य कहा जा सकता है? (1)
   (क) जब वह अपनी सुप्रवृत्तियों के अनुसार कार्य करे
   (ख) जब वह अपनी मर्ज़ी के अनुसार कार्य करे
   (ग) जब वह अपने लिए कार्य करे
   (घ) जब वह अपनी सुविधा के अनुसार कार्य करे
2. अनुशासन के अभाव में समाज की क्या स्थिति होगी? (1)
   (क) समाज में शांति की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) समाज में जागरूकता उत्पन्न हो जाएगी
(ग) समाज में अराजकता और अशांति की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी
(घ) समाज तेज़ी से उन्नति करेगा

3. मानव में निहित प्रवृत्तियाँ कौन-कौन सी हैं? (1)
(क) लालच और बुराई
(ख) अधर्म और धर्म
(ग) आदर और अनादर
(घ) सुप्रवृत्तियाँ और कुप्रवृत्तियाँ

4. अनुशासन के अभाव में पशुओं का जीवन कैसा होता है? (2)

5. कुछ लोग अनुशासन को उचित क्यों नहीं मानते? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** [7]

मधुर याद बचपन तेरी
गया, ले गया, तू जीवन की,
सबसे मस्त खुशी मेरी।
चिंता रहित खेलना खाना,
फिर वह फिरना निर्भय स्वच्छंद,
कैसे भूला जा सकता है,
बचपन का अतुलित आनंद।
ना और मचल जाना भी,
क्या आनंद दिखलाते थे,
बड़े-बड़े मोती-से आँसू,
जयमाला पहनाते थे।
मैं रोई, माँ काम छोड़कर,
आई, मुझको उठा लिया,
झाड़-पोंछकर चूम-घूमकर,
गीले गालों को सुखा दिया।
आ जा बचपन ! एक बार फिर
दे दे अपनी निर्मल शांति,
व्याकुल व्यथा मिटाने वाली,
वह अपनी प्राकृत विश्रांति।
वह भोली-सी मधुर सरलता।
वह प्यारा जीवन निष्पाप,
क्या फिर आकर मिटा सकेगा,
तू मेरे मन का संताप?

i. जयमाला कौन पहनाते है? (1)
(क) भोली-सी मधुर सरलता

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) सहेलियाँ
(ग) बड़े-बड़े मोती के समान आँसू
(घ) माँ

ii. कवयित्री क्या नहीं भूल पा रही है? (1)
(क) अपने बचपन के दिनों को
(ख) अपनी माँ के प्यार को
(ग) अपनी सहेलियों को
(घ) जयमाला को

iii. कवयित्री क्या कामना कर रही है? (1)
(क) कोई उसे जयमाला पहना दे
(ख) भोली-सी मधुर सरलता मिल जाये
(ग) माँ उसे गोद में उठा ले
(घ) उसका बचपन एक बार पुनः लौट कर आ जाए

iv. बचपन की क्या - क्या विशेषताएँ बताई गई हैं ? (2)

v. रोती हुई कवयित्री को माँ कैसे शांत कराती है? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार किन्हीं चार के उत्तर लिखिए:** **[4]**

i. उसके एक इशारे पर लड़कियाँ कक्षा से बाहर निकलकर नारे लगाने लगीं। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

ii. उन्होंने जेब से चाकू निकाला और खीरा काटने लगे। (सरल वाक्य में बदलिए)

iii. हालदार साहब को उधर से गुज़रते समय मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

iv. बालगोबिन भगत जानते थे कि अब बुढ़ापा आ गया है। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद लिखिए)

v. आप चाय लेंगे या काफ़ी। (वाक्य भेद)

4. **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-** **[4]**

i. बुलेटिन के लिए एक नोटिस बनाइए। (भाववाच्य में बदलिए।)

ii. सत्य बोलने की प्रेरणा दी गई थी। (कर्तृवाच्य में बदलिए।)

iii. आप कर सकते हैं। (कर्मवाच्य में बदलिए।)

iv. सारे स्कूल बन्द कर दिए जाएँ। (कर्तृवाच्य बनाइए।)

v. नेता जी ने सभा की अध्यक्षता की। (कर्मवाच्य में बदलिए।)

5. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- (1x4=4)** **[4]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

i. <u>बालगोबिन भगत की</u> संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जब उनका बेटा मरा।

ii. <u>बालगोबिन भगत</u> समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में धान रोप रहे हैं।

iii. बालगोबिन भगत <u>कबीर के</u> गीतों को गाते और उनके आदेशों पर चलते थे।

iv. <u>सुंदर</u> गृहणी की तो मुझे याद नहीं लेकिन उनके बेटे और पतोहू को तो मैंने देखा था।

v. वाह! <u>भारत</u> मैच जीत गया।

6. निम्नलिखित काव्यांशों के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए- (किन्हीं चार) **[4]**

i. देख लो साकेत नगरी है यही,
स्वर्ग से मिलने गगन जा रही है।

ii. कल्पना सी अतिशय कोमल।

iii. जनम सिन्धु विष बन्धु पुनि, दीन मलिन सकलंक सिय मुख समता पावकिमि चन्द्र बापुरो रंक।।

iv. "सखि सोहत गोपाल के, उर गुंजन की माल।
बाहर लसत मनो पिये, दावानल की ज्वाल।।"

v. दुख है जीवन-तरु के मूल।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

खेती बारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे-साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखा झगड़ा मोले लेते। किसी की चीज नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता! कभी वह दूसरे के खेत में शोच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते-जो उनके घर से चार कोस दूरी पर था-एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते!

(i) लेखक के अनुसार बालगोबिन भगत साधु क्यों थे?

क) वे किसी से लड़ते नहीं थे	ख) वे साधु की तरह दिखते थे
ग) वे मोह-माया से दूर थे	घ) वे सच्चे साधुओं की तरह उत्तम आचार-विचार रखते थे

(ii) बालगोबिन भगत का कौन-सा कार्य-व्यवहार लोगों के आश्चर्य का विषय था?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) गीत गाते रहना | ख) किसी से झगड़ा न करना
ग) जीवन के सिद्धांतों और आदर्शों का गहराई से अपने आचरण में पालन करना | घ) अपना काम स्वयं करना

(iii) बालगोबिन भगत कबीर के ही आदर्शों पर चलते थे, क्योंकि

क) कबीर उनके गाँव के मुखिया थे | ख) वे कबीर की विचारधारा से प्रभावित थे
ग) कबीर उनके मित्र थे | घ) कबीर भगवान का रूप थे

(iv) बालगोबिन भगत के खेत में जो कुछ पैदा होता, उसे वे सर्वप्रथम किसे भेंट कर देते?

क) कबीरपंथी मठ में | ख) घर में
ग) गरीबों में | घ) मंदिर में

(v) वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज **साहब** की थी। यहाँ 'साहब' से क्या आशय है?

क) गुरु से | ख) भगवान से
ग) मुखिया से | घ) कबीर से

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) **नेताजी का चश्मा** पाठ के आधार पर लिखिए कि - **[2]**
हालदार साहब का कस्बे के नागरिकों का कौन-सा प्रयास सराहनीय लगा और क्यों?

(ii) पाठ के आधार पर मन्नू भंडारी की माँ के स्वभाव की विशेषताएँ लिखिए। **[2]**

(iii) बिना कथ्य के कहानी लिखना संभव नहीं है लखनवी अंदाज़ पाठ के आधार पर व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(iv) **संस्कृति पाठ के अनुसार** लेखक संस्कृत व्यक्ति की संतान को संस्कृत व्यक्ति क्यों नहीं मानता है? **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।
जिसके अरुण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनि उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।
उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) कवि जिस सुख की कल्पना कर रहा था, वह कैसा है?

क) क्षणिक | ख) दीर्घ
ग) स्मृति | घ) मधुमाया

(ii) कवि के सुखपूर्वक जीवन जीने की कल्पना क्यों समाप्त हो गई?

क) क्योंकि उसका जीव छोटा-सा था | ख) क्योंकि उसकी प्रेयसी की मृत्यु हो गई थी
ग) क्योंकि वह जीवन जीना नहीं चाहता था | घ) क्योंकि उसे सोना था

(iii) कवि ने पद्यांश में किसके सौन्दर्य का वर्णन किया है?

क) मित्रों के | ख) प्रेयसी के
ग) जीवन के | घ) स्वयं के

(iv) कवि के लिए उसकी प्रेयसी की स्मृति क्यों महत्वपूर्ण है?

क) क्योंकि वह अब दूर जा चुकी है | ख) क्योंकि वह उसके जीवन जीने का एकमात्र सहारा है
ग) क्योंकि वह उन्हें बांटना चाहता है | घ) क्योंकि वह उसे भुलाना नहीं चाहता

(v) पद्यांश में **पथिक** शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है?

क) कवि के लिए | ख) कवि के सम्बंधियों के लिए
ग) कवि के मित्रों के लिए | घ) कवि की प्रेयसी के लिए

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) **उत्साह** कविता में कवि ने धाराधर किसे और क्यों कहा है? **[2]**

(ii) **यह दंतुरित मुसकान** कविता में 'बाँस और बबूल' किसके प्रतीक हैं? **[2]**

(iii) **संगतकार** की मनुष्यता उसका निर्धारित कर्तव्य ही है, न कि कोई महानता - इससे सहमत या असहमत होते हुए तर्क सहित अपने विचार व्यक्त कीजिए। **[2]**

(iv) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किससे की गई है? **[2]**

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(i) ऐसा क्यों होता है कि विपत्ति के समय बच्चा पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है? सोदाहरण समझाइए। **[4]**

(ii) **मैं क्यों लिखता हूँ?** पाठ के लेखक ने अपने लिखने का क्या कारण बताया है? **[4]**

(iii) "साना-साना हाथ जोडि' पाठ में प्रदूषण के कारण हिमपात में कमी पर चिंता व्यक्त की गई है। प्रदूषण के और कौन-कौन से दुष्परिणाम सामने आए हैं? हमें इसकी रोकथाम के लिए क्या करना चाहिए? **[4]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

(i) **बेरोज़गारी : एक समस्या** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- बेरोज़गारी क्या है?
- समस्या क्यों?
- समस्या सुलझाने के उपाय

(ii) **साइबर सुरक्षा : जागरूकता ही समाधान** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**
भूमिका, अर्थ, वर्तमान में चर्चा का कारण, जागरूकता का प्रभाव

(iii) **मेरी रेगिस्तान-यात्रा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**
संकेत-बिंदु

- धूल ही धूल
- रात की शीतलता और सौंदर्य
- तापमान एवं लोक-संस्कृति

13. विद्यालय से नाम काटे जाने के कारणों पर अपनी सफाई देते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर पुनः कक्षा में बैठने की अनुमति देने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके छोटे भाई ने आठवीं कक्षा की परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की है। उसे बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

14. एक निजी विद्यालय में हिंदी के शिक्षक की आवश्यकता है। इस पद हेतु अपनी योग्यता का विवरण देते हुए स्ववृत सहित आवेदन पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आप राजन/रजनी हैं। अपने बैंक खाते में नेट बैंकिंग की सुविधा प्राप्त करने के लिए संबंधित शाखा प्रबंधक को लगभग **80** शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

15. आप तीन कमरे वाला घर किराए पर लेना चाहते हैं। इसके लिए एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आप कुमुद/कुमुदिनी हैं। बड़े प्रयासों और प्रतीक्षा के बाद आपकी बहन का स्थानान्तरण अपने गृह-नगर में हो गया है। इसके लिए उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

SAMPLE QUESTION PAPER - 2

Hindi A (002)

Class X (2024-25)

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (क) मानव तभी सभ्य कहा जा सकता है जब तक वह अपनी सुप्रवृत्तियों की आज्ञा के अनुसार सबकी भलाई के लिए कार्य करें। अत: कुछ बंधनों और नियमों का पालन करके ही मानव समाज का विकास कर सकता है।
   2. (ग) अनुशासन का अर्थ होता है नियम -नीतियों का पालन करना। इसके पालन करने से मानव जीवन उन्नति को प्राप्त करता है जबकि इसके अभाव में समाज में अराजकता और अशांति की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी और चारों ओर जंगलराज जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाने से लोग असुरक्षित और अव्यवस्थित महसूस करेंगे।
   3. (घ) मानव में निहित प्रवृत्तियाँ सुप्रवृत्तियाँ और कुप्रवृत्तियाँ हैं, जिनके प्रभाव से वह अच्छा आचरण करता है और बुरा भी।
   4. वन्य पशुओं में अनुशासन का कोई महत्व नहीं होता, जिसके कारण उनका जीवन असुरक्षित, आतंकित एवं अव्यवस्थित रहता है।
   5. कुछ लोगों का मानना है कि मानव के सभ्य और शिक्षित हो जाने के कारण उस पर किसी प्रकार के नियमों का बंधन नहीं होना चाहिए। वह स्वतंत्र रूप से जो करे, उसे करने देना चाहिए।
2. i. (ग) बचपन में बड़े-बड़े मोती के समान आँसू जयमाला पहनाते हैं।
   ii. (क) कवयित्री अपने बचपन के दिनों में मिले अतुलित आनंद, बड़े - बड़े मोती के आँसू का निकलना एंव माँ के दुलार को नहीं भूल पा रही है।
   iii. (घ) कवयित्री यह कामना कर रही है कि उसका बचपन एक बार पुनः लौट कर आ जाए और फिर से वही निर्मल शांति प्राप्त हो |
   iv. बचपन जीवन का सबसे मस्ती और चिंता रहित समय होता है। यह निर्भय, शांति,स्वच्छंद और अतुलित आनंद प्रदान करने वाला समय होता है।
   v. रोती हुई कवयित्री को देख माँ अपना सारा काम छोड़कर तुरन्त आती है और उसे गोद में उठाकर चूमती है तथा बहला - फुसलाकर,लाड- प्यार कर शांत कराती है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. उसके एक इशारे पर लड़कियाँ कक्षा से बाहर निकलीं और नारे लगाने लगीं।
   ii. वे जेब से चाकू निकालकर खीरा काटने लगे।
   iii. जब हालदार साहब उधर से गुजरे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया।
   iv. अब बुढ़ापा आ गया है। (संज्ञा उपवाक्य)
   v. सरल वाक्य
4. i. बुलेटिन के लिए एक नोटिस बनाया जाए।
   ii. (उसे) सत्य बोलने को प्रेरित किया गया था।
   iii. आपके द्वारा किया जा सकता है।
   iv. सारे स्कूलों को बंद कर दिया जाए।
   v. नेता जी द्वारा सभा की अध्यक्षता की गई।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. i. **बालगोबिन भगत की-** व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक।
   ii. **बालगोबिन भगत-** व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'रोप रहे हैं' क्रिया का कर्ता।
   iii. **कबीर के-** व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक।
   व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन,संबंध कारक।
   iv. **सुंदर-** गुणवाचक विशेषण, गृहिणी विशेष्य का विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन।
   गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य- 'गृहिणी'।
   v. **भारत-** संज्ञा, व्यक्तिवाचक पुल्लिग एकवचन, कर्ता कारक।
6. i. अतिशयोक्ति अलंकार
   ii. उपमा अलंकार
   iii. रूपक अलंकार
   iv. उत्प्रेक्षा अलंकार
   v. रूपक अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

खेती बारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे-साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखा झगड़ा मोले लेते। किसी की चीज नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता! कभी वह दूसरे के खेत में शोच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते-जो उनके घर से चार कोस दूरी पर था-एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते!

(i) **(घ)** वे सच्चे साधुओं की तरह उत्तम आचार-विचार रखते थे

व्याख्या:

वे सच्चे साधुओं की तरह उत्तम आचार-विचार रखते थे

(ii) **(ग)** जीवन के सिद्धांतों और आदर्शों का गहराई से अपने आचरण में पालन करना

व्याख्या:

जीवन के सिद्धांतों और आदर्शों का गहराई से अपने आचरण में पालन करना

(iii) **(घ)** कबीर भगवान का रूप थे

व्याख्या:

कबीर भगवान का रूप थे

(iv) **(क)** कबीरपंथी मठ में

व्याख्या:

कबीरपंथी मठ में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(v) **(घ)** कबीर से

व्याख्या:

कबीर से

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) हालदार साहब कस्बे के नागरिकों के प्रयास को सराहनीय तब लगा, जब उन्होंने नेताजी की मूर्ति पर चश्मा पहनकर देशभक्ति की भावना को दिखाया। यह उन्हें समझाता है कि हालदार साहब में भी विशेष रूप से देशप्रेम का संवेदनशील भाव था। नेताजी की मूर्ति पर चश्मा पहनकर उन्होंने नेताजी के सम्मान में अपना समर्थन प्रकट किया और इससे कस्बे के नागरिकों का उन्हें सराहनीय मानने लगा।

(ii) लेखिका मन्नू भंडारी की माँ का स्वभाव पिता से विपरीत था। वह धैर्यवान व सहनशक्ति से युक्त महिला थी। पिता की हर फरमाइश को अपना कर्तव्य समझना व बच्चों की हर उचित अनुचित माँगों को पूरा करना ही अपना फर्ज समझती थी। अशिक्षित माँ का त्याग, असहाय व मजबूरी में लिपटा हुआ था। पति की हर ज्यादती को प्राप्य मानकार स्वीकार करती है।

(iii)हमारे मतानुसार कहानी लिखने के लिए कोई ना कोई घटना विचार और पात्र अवश्य होता है। यह तीनों ही कहानी के अत्यावश्यक तत्व हैं। जब तक कहानीकार के मन में कोई विचार नहीं आए,घटनाएं कहानी को आगे ना बढ़ाए तथा पात्र कथा का माध्यम न बने, तब तक कहानी लिखना संभव नहीं है। यशपाल जी ने लखनवी अंदाज व्यंग्य यह साबित करने के लिए लिखा था कि बिना कथ्य के भी कहानी लिखी जा सकती है। परंतु मेरे हिसाब से विचार,घटना और पात्र कहानी के मुख्य तत्व है, जिनके बिना कहानी लिखना संभव नहीं है।

(iv)लेखक ऐसे व्यक्ति को संस्कृत व्यक्ति मानता है, जिसकी बुद्धि ने किसी नए तथ्य के दर्शन किए हों और सर्वथा नवीन वस्तु की खोज की हो। संस्कृत व्यक्ति की संतान किसी नई चीज़ की खोज नहीं करती है, उसे तो वह नई चीज़ अनायास मिल जाती है, इसलिए वह संस्कृत व्यक्ति की संतान को संस्कृत नहीं मानता है।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।
जिसके अरुण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनि उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।
उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की।

(i) **(क)** क्षणिक

व्याख्या:

क्षणिक

(ii) **(ख)** क्योंकि उसकी प्रेयसी की मृत्यु हो गई थी

व्याख्या:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क्योंकि उसकी प्रेयसी की मृत्यु हो गई थी

(iii) **(ख)** प्रेयसी के

व्याख्या:

प्रेयसी के

(iv) **(ख)** क्योंकि वह उसके जीवन जीने का एकमात्र सहारा है

व्याख्या:

क्योंकि वह उसके जीवन जीने का एकमात्र सहारा है

(v) **(क)** कवि के लिए

व्याख्या:

कवि के लिए

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) "उत्साह" कविता में कवि ने धाराधर को जल की धारा धारण करने के कारण कहा है। यह उपमा उन लोगों को संबोधित करती है जो लगातार प्रयास और कार्यशीलता से परिवर्तन की धारा को बनाए रखते हैं। धाराधर का यह रूप निरंतर बरसने और जल की धारा धारण करने के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो सृजनात्मकता और समर्पण का प्रतीक है।

(ii) कविता में बाँस और बबूल के पेड़ कठोर हृदय या रसहीन व्यक्तियों के प्रतीक हैं। ऐसे लोगों पर मानवीय संवेदनाओं का कोई असर नहीं होता है। इन प्रतीकों के माध्यम से कवि कहना चाहता हैं कि मधुर मुस्कान को देखकर कठोर से कठोर हृदय मानव भी सरस हो उठते हैं।

(iii) संगतकार की मनुष्यता उसकी महानता है क्योंकि उसके अंदर योग्यता, प्रतिभा होने के बाद भी वह केवल अपने गुरु के सम्मान की खातिर अपनी आवाज़ को ऊँचा नहीं उठाता। यह उसका कर्तव्य नहीं है बल्कि उसकी मनुष्यता है। संगतकार नींव की ईंट के समान है जो गहराई में जाकर स्वयं को भुला देता है और मुख्य गायक को आगे निकालता है।

(iv) उद्धव के व्यवहार की तुलना पानी के ऊपर तैरते हुए कमल के पत्ते से और पानी में डूबी हुई तेल की गागर से की गई है। जो पानी पर रहते हुए भी पानी की एक बूँद भी नहीं लगने देता है।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) बच्चे को हृदयस्पर्शी स्नेह की पहचान होती है। बच्चे को विपदा के समय अत्यधिक ममता और स्नेह की आवश्यकता थी। भोलानाथ का अपने पिता से अपार स्नेह था। वह अपने समस्त कार्य पिता के साथ करता है किंतु साँप को देखकर भयभीत होकर पिता के बुलाने के बावजूद भी वह माँ की गोद में ही शरण लेता है। उस समय उसे जो शांति व प्रेम की छाया अपनी माँ की गोद में जाकर मिली वह शायद उसे पिता से प्राप्त नहीं हो पाती। ऐसे में माँ उसे विश्वसनीय और आत्मीय लगती है और माँ के आँचल में बच्चा स्वयं को सुरक्षित महसूस करता है।

(ii) लेखक 'अज्ञेय' जी ने 'मैं क्यों लिखता हूँ? के उत्तर में कहा है कि वह अपने मन की विवशता को पहचानते हैं। अतः वह लिखकर उससे मुक्ति पाना चाहते हैं। वह इसलिए भी लिखना चाहते हैं, ताकि स्वयं को जान और पहचान सकें। उनके मन में जो विचारों की छटपटाहट व बेचैनी होती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उससे मुक्ति पाने के लिए वे लिखना चाहते हैं। वे यह भी जानते हैं कि कई बार व्यक्ति प्रसिद्धि पाने, धन अर्जन करने व संपादक की विवशता या दवाब के कारण भी लिखता है। पर वे स्वयं की पहचान करके व अपने विचारों को तटस्थ रखकर सबके समक्ष प्रस्तुत करने व आत्मसंतुष्टि के लिए लिखते हैं।

(iii)लेखिका लाचुंग नामक स्थान पर हिमपात का आनंद लेने की आशा से पहुंची थीं, किन्तु वहाँ बर्फ को कहीं पता न था। उन्हें एक सिकि कमी युवक ने बताया कि प्रदूषण बढ़ने से स्नोफॉल (बर्फ गिरना) में कमी आ गई है। अब बर्फ आपको कटाओ में ही मिलेगी। बढ़ते प्रदूषण के फलस्वरूप अनेक संकट और दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। तापमान में वृद्धि होने से पर्वतों पर हिमपात कम होता जा रहा है और ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, इससे नदियों में जल की मात्रा कम होती जा रही है। जल, वायु, भूमि सभी प्रदूषण के ज़हर से प्रभावित हो रहे हैं। पेड़ काटने से कार्बन डाइऑक्साइड,ऑक्सीजन का संतुलन बिगड़ गया है। न पीने को शुद्ध जल है, न साँस लेने को शुद्ध वायु । लोग अनेक बीमारियों से ग्रस्त और त्रस्त हो रहे हैं। कैंसर, टी.बी.,मधुमेह, मानसिक तनाव और रक्तचाप में वृद्धि आदि से पीड़ित लोगों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। मौसम चक्र बदल रहा है जिसके परिणाम स्वरूप फसलों की पैदावार में कमी आ रही है। प्राकृतिक आपदाओं ने जोर पकड़ रखा है जिसके कारण मनुष्य को धन जन की हानी का सामना करना पढ़ रहा है। वाहनों के बेतहाशा बढ़ते जाने से वायुमण्डल तो विषाक्त हो ही रहा है, लोग मानसिक गड़बड़ी नींद न आना और बहरेपन के शिकार भी हो रहे हैं। वृक्षों की कटाई को रोकना चाहिए। साथ ही अधिकाधिक वृक्षारोपण करना चाहिए तथा प्राकृतिक स्थलों पर गंदगी नहीं फैलानी चाहिए। कम से कम वाहनों का प्रयोग करना चाहिए जिससे प्रदूषण कम बढ़ेगा । नदियां आदि में गंदे नाले अपशिष्ट पदार्थों को बहाना बंद करवाएं। प्लास्टिक का भी कम से कम प्रयोग करके हम अपनी प्रकृति को सुरक्षित रख सकते हैं। जागरूकता पैदा कर लोगों को पर्वतीय स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित करना चाहिए तथा नवयुवकों के द्वारा जनजागरण के कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) **बेरोज़गारी : एक समस्या**

बेरोज़गारी एक ऐसी समस्या है जो आजकल कई देशों में एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में उभर रही है। इसका अर्थ होता है कि कुछ लोग जो शादी शुदा होते हैं, पढ़े-लिखे होते हैं और कौशल रखते हैं, भी काम नहीं पा रहे हैं।

इस समस्या के पीछे कई कारण हो सकते हैं। पहला कारण है विपणी की बदलती धारा। आधुनिक तकनीक और व्यवासायिक परिवर्तन के कारण, कई व्यापार और उद्योग अपने प्राथमिकताओं को बदल रहे हैं, जिससे कुछ क्षेत्रों में नौकरियों की कमी हो रही है। दूसरा कारण है शिक्षा के योगदान में कमी। कई लोगों को उच्च शिक्षा की कमी के कारण उनकी कौशल और योग्यता नहीं होती, जिससे वे आधिकारिक क्षेत्र में रोज़गार नहीं पा सकते।

बेरोज़गारी समस्या को सुलझाने के लिए कई उपाय हो सकते हैं। पहला उपाय है उद्यमिता और उद्योग का समर्थन करना। सरकारें उद्योगों के निवेश को बढ़ाने और नौकरियों को बनाने के लिए

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

नीतियों को संशोधित कर सकती हैं। दूसरा उपाय है शिक्षा के प्रसार का समर्थन करना, जिससे लोग अधिक योग्य बन सकें और विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार पा सकें।

समस्या के समाधान में सरकार, सामाजिक संगठन, और व्यवसायिक समुदायों का सहयोग कर सकते हैं। बेरोज़गारी को समझना, उसके कारणों का पता लगाना, और समाधान तैयार करना सभी के साथ मिलकर इस समस्या का समाधान करने के लिए महत्वपूर्ण है।

(ii) साइबर सुरक्षा आज के डिजिटल युग में अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। यह क्षेत्र इंटरनेट पर सुरक्षा की गारंटी देने और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। वर्तमान में साइबर हमले, जैसे कि हैकिंग और फ़िशिंग, की बढ़ती घटनाओं ने इसे चर्चा का प्रमुख कारण बना दिया है। ऐसे में जागरूकता ही समाधान की भूमिका निभाती है। जब लोग अपनी ऑनलाइन गतिविधियों में सतर्क रहते हैं, जैसे कि सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग और अनजान लिंक से बचाव, तो साइबर हमलों के खतरे को कम किया जा सकता है। जागरूकता न केवल व्यक्तिगत सुरक्षा को बढ़ाती है, बल्कि समाज में साइबर अपराध के खिलाफ एक मजबूत प्रतिरोधी ढांचा भी तैयार करती है। इसलिए, साइबर सुरक्षा में जागरूकता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है।

(iii) रेगिस्तान यात्रा एक अद्भुत अनुभव था। चारों ओर बस धूल ही धूल नजर आ रही थी। रेत के टीले सूरज की किरणों में चमक रहे थे। दिन का तापमान इतना अधिक था कि चलना मुश्किल हो रहा था। लेकिन रात की शीतलता ने सब कुछ बदल दिया। चांदनी रात में रेगिस्तान का नज़ारा बिलकुल अलग लग रहा था। तारों की चमक ने आसमान को जगमगा दिया था।

रेगिस्तान की लोक संस्कृति भी काफी दिलचस्प थी। वहां के लोगों ने हमें अपनी रीति-रिवाजों और परंपराओं से परिचित कराया। उन्होंने हमें रेगिस्तान में रहने के तरीके और चुनौतियों के बारे में बताया। इस यात्रा ने मुझे प्रकृति की शक्ति और मानव की अनुकूलन क्षमता के बारे में बहुत कुछ सिखाया।

13. प्रधानाचार्य महोदय,
राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल विद्यालय नं. 2,
पालम कॉलोनी, दिल्ली -110045
27 अगस्त, 2024

विषय: विद्यालय से नाम काटे जाने के कारणों पर सफाई और पुनः कक्षा में बैठने की अनुमति की प्रार्थना

महोदय/महोदया,

सविनय निवेदन है कि मैं तुषार सिंह, नौवीं कक्षा का विद्यार्थी, आपके ध्यान में कुछ महत्वपूर्ण बातें लाना चाहता हूँ। हाल ही में मेरे नाम को विद्यालय की रजिस्टर से काटे जाने की सूचना मिली है, और मैं इस विषय पर अपनी स्थिति स्पष्ट करना चाहता हूँ।

मुझे इस बारे में जानकारी मिली कि मेरा नाम विद्यालय से काटा गया है, जो कि मेरे द्वारा किसी कारणवश फीस का भुगतान नहीं करने या अन्य प्रशासनिक मुद्दों के कारण हुआ है। मैं इस संदर्भ में आपकी जानकारी में लाना चाहता हूँ कि निम्नलिखित कारणों से मेरी स्थिति इस प्रकार बनी:

वित्तीय कठिनाइयाँ: मेरे परिवार को हाल ही में वित्तीय समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिसके कारण मैं समय पर फीस का भुगतान नहीं कर सका।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

स्वास्थ्य संबंधित समस्याएँ: हाल ही में मेरी तबियत खराब हो गई थी, जिसके कारण मैं विद्यालय की कुछ महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में समय पर भाग नहीं ले सका। मैं डॉक्टरी प्रमाणपत्र के साथ इसे स्पष्ट कर सकता हूँ।

मैं आपके समक्ष यह प्रार्थना करता हूँ कि आप मेरी स्थिति पर विचार करें और मेरी कक्षा में पुनः शामिल होने की अनुमति प्रदान करें। मैं सुनिश्चित करता हूँ कि भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए मैं सभी आवश्यक कदम उठाऊँगा और सभी शुल्क समय पर चुकाऊँगा।

आपकी दया और समझ के लिए मैं आपका आभारी रहूँगा। कृपया मेरी प्रार्थना पर सकारात्मक विचार करें और मुझे पुनः कक्षा में बैठने का अवसर प्रदान करें।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

तुषार सिंह

कक्षा- 9 'अ'

अनु . - 12

अथवा

परीक्षा भवन,

नई दिल्ली।

28 फरवरी, 2019

प्रिय अनुज,

सस्नेह आशीष।

कल शाम को पिता जी का भेजा पत्र मिला। घर पर सभी सकुशल हैं, यह जानकर बहुत खुशी हुई। तुमने जोनल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है, यह पढ़कर मैं खुशी से उछल पड़ा।

अनुज, तुम्हारा शारीरिक कद छोटा अवश्य है पर तुम्हारी यह सफलता काफी बड़ी है। जोनल स्तर पर अनेक विद्यालयों के बहुत से छात्रों के बीच 94% अंक प्राप्त कर प्रथम आना सचमुच बड़ी उपलब्धि है। इस सफलता से तुम बहुत खुश हुए होगे, मैं भी बहुत खुश हुआ हूँ। यह सब ईश्वर की कृपा, माता-पिता का आशीर्वाद और तुम्हारी कड़ी मेहनत का फल है। मेहनत का फल सुखदायी होता है, इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है? मैं इस सफलता पर बार-बार बधाई देता हूँ। मेरी कामना है कि सफलता के नित नए सोपान चढ़ो। अब तो तुमसे माता-पिता की अपेक्षाएँ भी बढ़ गई होंगी, इसलिए आगे भी ऐसा ही परिश्रम करना और विद्यालय तथा माता-पिता का नाम ऊँचा करना। सफलता के लिए एक बार पुनः बधाई।

पूज्या माता जी और पिता जी को चरण स्पर्श तथा सुवर्णा को स्नेह। पत्रोत्तर शीघ्र देना।

तुम्हारा अग्रज,

पवन कुमार

14. सेवा में,

प्रबंधक महोदय,

ग्रीन वूड पब्लिक स्कूल,

नई दिल्ली

विषय- नौकरी के लिए आवेदन पत्र

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

महोदय,
विश्वस्त सूत्रों द्वारा यह पता चला है कि आपके विद्यालय में एक हिंदी शिक्षक की आवश्यकता है। इसके लिए मैं अपने को उपस्थित करता हूँ। मुझे हिंदी पढ़ना अच्छा लगता है। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.ए. (हिंदी) परीक्षा पास की है। मुझे खेल कूद में भी काफी रूचि है। मेरी शैक्षणिक योग्यताएँ तथा परिचय इस प्रकार हैं-

- पिता का नाम - गौतम राणा
- जन्म तिथि - 10/09/19190
- पत्र व्यवहार - 10, विकासपुरी, नई दिल्ली
- **शैक्षणिक योग्यताएँ**-
    - दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.ए (हिंदी), 2010।
    - दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.एड. 2012 में।
- **विशेष योग्यता-**
    - बी.ए में वि.वि. में प्रथम स्थान
    - खेलकूद में विशेष रूचि है।

अनुभव- वर्तमान में मैं इलाहाबाद के प्रतिष्ठित विद्यालय में कार्यरत हूँ। उसका एक प्रमाण पत्र भी संलग्न है।
यदि इस पद को संभालने का उत्तरदायित्व श्रीमान ने मुझे सौपा तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अपने कठिन परिश्रम से हिंदी और हिंदी के छात्रों को उच्च स्तर तक ले जाने का अथक प्रयास करूँगा।
भवदीय
गोविन्द राणा
10, विकासपुरी,
नई दिल्ली
दिनांकः 08 मई, 2019

अथवा

प्रेषक (From) : rajan@gmail.com
प्रेषिती (To) : sbiraipur@gmail.com
विषय : बैंक खाते में नेट बैंकिंग की सुविधा प्राप्त करने के संबंध में।
शाखा प्रबंधक महोदय,
मेरा नाम राजन है। पिता का नाम- रघुवीर सिंह, माता का नाम- बिनती देवी है। सादर निवेदन है कि मैं आपके बैंक का एक नियमित खाताधारक हूं। मेरा एक बचत खाता आपके बैंक एसबीआई, शाखा- राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.) से संचालित है। खाता न.- 88247xxxxx56 है। काम की व्यस्तता के कारण मैं बार-बार बैंक आने में असमर्थ हूं तथा वित्तीय लेन-देन की आवश्यकता को देखते हुए मैं अपने बैंक खाते में नेट बैंकिंग की सुविधा चाहता हूं।
अतः आपसे अनुरोध है कि मुझे मेरे बैंक खाते में नेट बैंकिंग की सुविधा देने की कृपा करें। इस कार्य हेतु मैं सदा आपका आभारी रहूंगा।
सधन्यवाद!

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भवदीय
राजन
वार्ड न.- 07, दत्ता कॉलोनी,
राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)।
5 जून, 2024

15.

आवश्यकता है एक किराए के घर की

आवश्यक सुविधाएँ

दो कमरे और एक हॉल
रसोई के सामने बालकनी
पोर्च में कार खड़ी करने योग्य स्थान
पानी के लिए टैंक की व्यवस्था
सोलर बिजली की सुविधा से युक्त

इच्छुक व्यक्ति नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें
1234XXXX23

अथवा

प्रिय बहन कल्याणी,
तुम्हारे स्थानान्तरण के लिए ढेर सारी बधाई! आखिरकार, तुम्हारी मेहनत और प्रतीक्षा का फल मिला। अब तुम अपने गृह-नगर में नए सफर का आनंद ले सकोगी। तुम्हारे लिए यह नया अध्याय खुशियों से भरा हो!
स्नेह सहित,
कुमुद/कुमुदिनी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in